अमर उजाला

नई दिल्ली, सोमवार, १३/६/२०१६, पृष्ठ-४

अंगदान से 6 को मिली जिंदगी

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दिल्ली में शुक्रवार रात को तीन कॉरिडोर से अंगदान में छह लोगों को नई जिंदगी मिली है। सोनीपत की 57 वर्षीय महिला के ब्रेन डेड होने पर परिजनों ने अंगदान की इच्छा जताई।

इसके बाद मैक्स सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल शालीमार बाग ने तीन अलग-अलग हास्पिटल में अंगदान के लिए ग्रीन कॉरिडोर के लिए दिल्ली पुलिस से मदद मांगी। इसके बाद आधे घंटे के अंदर अंगदान अन्य मरीजों के जीवन बचाने के लिए दूसरे अस्पतालों में पहुंच गए।

मैक्स हास्पिटल शालीमार बाग के डॉ. बहीद जमान के मुताबिक, सोनीपत की महिला की ब्रेन डेड होने के बाद परिजनों की काउंसिलिंग की गई। उन्होंने अंगदान की सहमति दी थी। इसके बाद अंगदान से छह लोगों को नया जीवन मिला है।

पहला कॉरिडोर मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग से पटपड़गंज हास्पिटल (32 किलोमीटर), दूसरा कॉरिडोर शालीबार बाग से मैक्स साकेत (40 किलोमीटर) और तीसरा कॉरिडोर शालीमार बाग से आईएलबीएस वसंत कुंज (38 किलोमीटर) हास्पिटल के बीच बनाया गया। तीनों कॉरिडोर पर एंबुलेंस रात नौ बजे निकलीं और आधे घंटे के अंदर पहुंच गई। मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग में एक किडनी और दूसरी किडनी पटपड़गंज मैक्स में ट्रांसप्लांट की गई। वहीं हॉर्ट साकेत के मैक्स में ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा लीवर आईएलबीएस वसंत कुंज को दिया गया, जबकि कॉर्निया एम्स को दिया गया।

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली, सोमवार, १३/६/२०१६, पृष्ठ-३

57 साल की महिला ने 4 को दिया जीवन

अंगों को पहुंचाने के लिए चार अस्पतालों के बीच बनाए गए थे तीन कॉरीडोर

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

सोनीपत की एक महिला मरने के बाद भी चार परिवारों को जिंदगी दे गई। 57 वर्षीय इस महिला की दोनों किडनी, हार्ट और लीवर को उसके परिजनों ने दान कर दिया। चारों महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर तौर पर बीमार चार मरीजों में प्रत्यारोपित कर दिया गया है। महिला के अंगों को जिन चार लोगों को डोनेट किया गया, उसमें दो लोग दिल्ली, एक नोएडा और एक बिहार का था। इन अंगों को दिल्ली के तीन अस्पतालों में पहुंचाने के लिए 10 जून की रात्रि तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए थे।

पुलिस के सहयोग से ये कारीडोर शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल से पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल, साकेत स्थित मैक्स अस्पताल और वसंत कुंज स्थित आईएलबीएस के बीच बनाए गए। सोनीपत से इलाज के लिए लाई गई 57 वर्षीय महिला शालीमार बाग स्थित मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा था, डॉक्टरों ने उसके परिजनों को बताया कि मरीज का ब्रेन डेड हो गया है। इसके बाद उसके परिजनों की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के बाद परिजनों ने महिला का अंग दान करने का फैसला किया।

इन अस्पतालों में हुआ अंगों का प्रत्यारोपण

महिला की पहली किडनी शालीमार बाग स्थित अस्पताल में ही प्रत्यारोपित कर दिया गया। दूसरी किडनी पटपड़गंज स्थित अस्पताल में भर्ती मरीज को, हार्ट साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में मरीज को और लीवर को आईएलबीएस स्थित अस्पताल में प्रत्यारोपित किया गया। इसके अलावा कॉर्निया को सफदरजंग अस्पताल में दान कर दिया गया। इसमें दोनों किडनी क्रमशः नोएडा और बिहार के मरीजों को मिली, जबकि हार्ट और लीवर दिल्ली के दो मरीजों को मिला।

इन तीन जगहों पर बनाए गए हैं कॉरीडोर

पहला कॉरिडोर- शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल और पटपड़गंज अस्पताल के बीच 32 किमी

दूसरा कॉरिडोर- शालीमार बाग से साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के बीच 40 किमी

तीसरा कॉरिडोर- शालीमार बाग से वसंत कुंज स्थित आईएलबीएस के बीच 38 किमी

दूसरों की हमेशा मदद करती थी मां: रुचि

सोनीपत जिले की गोहाना निवासी विमला बंसल की बेटी रुचि बताती हैं कि मां हमेशा से दूसरों की मदद करने में आगे रहती थी, मंदिर में दान करने से अच्छा उन्हें निर्धनों की मदद करना लगता था। वह हमेशा कुछ न कुछ निर्धनों के लिए किया करती थीं। काफी समय से शुगर की पेसेंट थी, पिछले हफ्ते अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, इसके बाद उन्हें शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका ब्रेन डेड हो गया। इसके बाद सबकुछ शून्य सा हो गया। मां, हमेशा दूसरों को खुश देखना चाहती थीं, ऐसे में उनके अंग दान करने का फैसला लिया गया। मां भी चार लोगों को जिंदगी दे गई।

परिजनों को करेंगे सम्मानित

विमला बंसल काफी समय से बीमार चल रही थीं और इलाज के दौरान उनका ब्रेन डेड गया। इसके बाद परिजनों ने उनके अंग को दान करने का फैसला लिया, जो कि सराहनीय है। हमारे अस्पताल की टीम जल्द ही उनके परिजनों को सम्मानित करेगी।
- मैक्स अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसलटेंट डॉ.वहीद जमन

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, सोमवार, १३/६/२०१६, पृष्ठ-३

ग्रीन कॉरिडोर की मदद से पांच जिंदगियां बचाईं

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

राजधानी में रविवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पांच लोगों की जिंदगी बचाई गई। चार अस्पतालों के बीच बने 32 किलोमीटर लंबे ग्रीन कॉरिडोर की मदद से जरूरी अंग सही समय पर अस्पताल पहुंचा दिए गए। इसमें दिल्ली पुलिस ने मैक्स शालीमारबाग, मैक्स साकेत, मैक्स पटपड़गंज व आईएलबीएस वसंतकुंज के बीच तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए।

इसके जरिये मस्तिष्क मृत सोनीपत निवासी 57 वर्षीय बुजुर्ग की एक किडनी मैक्स शालीमारबाग अस्पताल भेजी गई। दूसरी किडनी और दिल मैक्स पटपड़गंज और साकेत अस्पताल भेजे गए। आंखों के दोनों कार्निया एम्स के आरपी सेंटर में संरक्षित करने के लिए भेजे गए, जबकि लिवर को वसंतकुत स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायलरी साइंस में भेजा गया। मैक्स अस्पताल के यूरोलॉजिस्ट डॉ. वाहिद जमान के नेतृत्व में किडनी प्रत्यारोपण किया गया। अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. केवल कृष्णनन ने बताया कि मृतक का दिल ऐसे मरीज को दिया गया जो कार्डियोमायोपैथी का शिकार था।

काबिल-ए-तारीफ

- चार अस्पतालों के बीच 32 किमी के तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए
- किडनी, दिल, आंखों का कार्निया और लिवर इस्तेमाल किया गया